वर्ष :: 34 अंक : 35
पृष्ठ : 08 :: मूल्य 2 रुपए मात्र

/mithilavarnan

मिथिला वर्णन

स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता

झारखंड-बिहार का लोकप्रिय हिन्दी साप्ताहिक

पूरे परिवार के लिये आध्यात्मिक पत्रिका

अवश्य पढ़ें-

निखिल-मंत्र-विज्ञान

14ए, मेनरोड, हाईकोर्ट कॉलोनी, जोधपुर (राज.)

फोन : (0291) 2624081, 263809

बोकारो :: रविवार, 26 मई, 2024 News & E-paper : www.varnanlive.com E-mail : mithilavarnan@gmail.com

पड़ गई सशक्त लोकतंत्र की बुलंद बुनियाद

लोकसभा निर्वाचन 2024... बोकारो जिले में 61.41% वोटिंग, 41 उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला अब 4 को

- विजय कुमार झा -

बोकारो : विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र में सबसे बड़े पर्व चुनाव का आनंद शनिवार को बोकारो जिले के निवासियों ने भी लिया। लोकसभा निर्वाचन 2024 के तहत छठे चरण के निर्वाचन के तहत बोकारो जिले में धनबाद तथा गिरिडीह संसदीय क्षेत्र के लिये मतदाताओं ने अपने-अपने पसंदीदा प्रत्याशियों की किस्मत ईवीएम में कैद कर डाली। धनबाद के 25 और गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र के 16 उम्मीदवारों की तकदीर वोटरों ने ईवीएम में बंद कर दी।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त विजया जाधव के अनुसार, पूरे बोकारो जिले में शांतिपूर्ण मतदान संपन्न हो गया। कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की कोई सूचना नहीं है। संध्या 5.00 बजे तक बोकारो जिले का मतदान प्रतिशत 61.41 रहा। जबकि, 06 गिरिडीह लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र का मतदान प्रतिशत 64.75 प्रतिशत रहा। डीसी ने कहा कि ग्रामीणों और युवाओं ने बढ़-चढ़कर वोटिंग की। जिले में सफल व शांतिपूर्ण मतदान के लिए डीसी ने सभी मतदाताओं, मतदानकर्मियों एवं समस्त सहयोगियों के प्रति आभार जताया है। (शेष पेज- 7 पर)

तपिश को देकर मात उमड़ी वोटरों की जमात

इस बार के चुनाव में लोगों की जागरुकता को लेकर प्रशासन की कवायदें शहरी इलाके में कम, परंतु ग्रामीण क्षेत्र में काफी हद तक रंग दिखाने वाली रहीं। अपने मतदान के जरिये लोकतंत्र को सशक्त बनाने तथा देश की नयी तकदीर व तस्वीर गढ़ने की उम्मीदों के साथ जिले के वोटरों में वोटिंग के प्रति अपार उत्साह देखा गया। लोकतांत्रिक महोत्सव के इस उमंग में प्रातः बेला से ही लोग अपने-अपने मतदान केन्द्रों पर जुटने लगे। बूथों के समीप रहने वाले कई लोग मॉर्निंग वाक करते हुए पहुंचे तो कोई वाहनों से आये। कोई अकेला पहुंचा, तो कोई पूरे परिवार के साथ। कई महिलाएं गोद में बच्चा तक साथ में लेकर उत्साह में बूथों तक जाती दिखीं, मानो वह किसी मेले में जा रही हों, तो कोई बुजुर्ग अपने पोते-पोतियों का हाथ पकड़कर पहुंचे। मतदान शुरू होने के निर्धारित समय सात बजे से लगभग एक घंटा-डेढ़ पहले से ही लोगों की चहलकदमी बूथों पर शुरू हो गयी, जो दिनभर जारी रही। प्रचंड धूप में झुलसाती गर्मी, आग उगलती सड़क और शोले बरसाते आसमान के बीच लू के थपेड़े भी लोकतंत्र के इन आस्थावीरों की आस्था को डगमगा न सके। डीसी विजया जाधव, एसपी पूज्य प्रकाश ने भी मतदान के बाद फोटो खिंचवाई।

शारीरिक लाचारी को दिखाया ठेंगा

अपना राष्ट्रीय नेतृत्व चुनने की खुशी में दिव्यांगता और अन्य सभी तरह की शारीरिक लाचारी को भी वोटरों ने ठेंगा दिखाते हुए जमकर मतदान किए। कोई ट्राई साइकिल से आया, तो कोई अपनी तिपहिया स्कूटी से, तो कोई बैसाखी लेकर, सबमें गजब का उत्साह देखा गया। जो चल पाने में भी लाचार थे, वे भी लाठी के सहारे धीरे-धीरे अपने नजदीकी बूथ तक पहुंचे और हक से अपना मत डाला। इधर, वोटिंग के बाद सोशल मीडिया पर मतदान की स्याही लगी उंगलियों के साथ फोटो शेयर करने का सिलसिला दिनभर चलता रहा। सबों ने फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम और ट्विटर जैसी सोशल साइट्स के जरिये अपनी सजग नागरिकता होने का प्रमाण अपने इष्टमित्रों के साथ साझा किया।

बुद्धिजीवियों के शहर की बुद्धिहीनता...
मतदान को ले फिर उदासीन रहे शहरी बाबू

चंदनकियारी में सर्वाधिक 71.41 तो बोकारो विस में सबसे कम 51 फीसदी मतदान

डी.के. वत्स

बोकारो : बोकारो जिले में इस बार भी शहरी इलाके के बजाय ग्रामीण वोटरों में अपेक्षाकृत अच्छी जागरूकता दिखी। चास-बोकारो के ज्यादा चंदनकियारी तथा नक्सल प्रभावित गोमिया एवं आसपास के इलाकों में ज्यादा भीड़ देखी गयी। अपराह्न पांच बजे तक प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, जिले के सभी छह विधानसभा क्षेत्रों को मिलाकर कुल मतदान प्रतिशत 61.41 फीसद रही। इसमें विधानसभा वार अगर बात करें, तो ग्रामीण क्षेत्र में सबसे अधिक मतदाताओं ने अपनी सहभागिता निभाई। जिले के 37 चंदनकियारी विधानसभा क्षेत्र में सर्वाधिक 71.41 प्रतिशत वोटरों ने मतदान किया। जबकि, 36 बोकारो विधानसभा क्षेत्र का मतदान प्रतिशत सिर्फ 52.07 रहा। इसी प्रकार, 34 गोमिया विधानसभा क्षेत्र में 67.62 फीसद, तो 35 बेरमो विधानसभा क्षेत्र में 63.69 प्रतिशत मतदान हुआ। वहीं, 06 गिरिडीह लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र का मतदान प्रतिशत 64.75 प्रतिशत रहा।

बता दें कि जिला प्रशासन की ओर विगत कई महीनों से मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए कोशिशें की जा रही थीं। लगातार विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से वोटरों को जागरूक करने का प्रयास किया गया। लेकिन, इन सभी का असर ग्रामीणों पर पड़ा और जिन्हें कथित तौर पर बुद्धिजीवी वर्ग माना जाता है, वे ही लोकतांत्रिक अधिकार के प्रति घोर उदासीन रहे। समझा जाता है कि अधिकारी वर्ग के लोग ही ज्यादातर अपने घरों से नहीं निकलते। वे महज इसे छुट्टी का दिन समझकर अपने घरों में ही दुबके रहते हैं। यह स्थिति वास्तव में दुर्भाग्यपूर्ण है।

पिछले लोस चुनाव से इस बार अधिकतर जगह कम वोटिंग, ऐसे समझें-

क्षेत्र	2019	2024
बोकारो जिला	61.26%	61.41%
बोकारो विस	51.51%	52.07%
चंदनकियारी विस	73.54%	71.41%
गोमिया विस	68.45%	67.62%
बेरमो विस	62.91%	63.69%
गिरिडीह लोस	65.93%	64.75%

- संपादकीय -

तुष्टिकरण को बड़ा झटका

कलकत्ता उच्च न्यायालय ने पश्चिम बंगाल में ममता सरकार की मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति को बड़ा झटका देते हुए सरकार की ओर से 2010 के बाद मुस्लिम जातियों को ओबीसी प्रमाणपत्र देने के निर्णय को निरस्त कर दिया है। हालांकि, न्यायालय ने अपने निर्णय में यह कहा है कि जिन्हें ओबीसी प्रमाण-पत्र के जरिये नौकरियां मिल गई हैं, उन पर कोई प्रतिकूल असर नहीं पड़ेगा। लेकिन, न्यायालय के इस निर्णय से लगभग पांच लाख लोग प्रभावित होंगे। दरअसल, कलकत्ता उच्च न्यायालय ने ममता सरकार के निर्णय को मनमाना बताते हुए खारिज किया है। उधर, न्यायालय के फैसले से नाराज ममता बनर्जी यह कह रही हैं कि वह इस फैसले को नहीं मानेंगी। लेकिन, यदि वह उच्च न्यायालय का फैसला स्वीकार नहीं करेंगी तो उन्हें सुप्रीम कोर्ट जाना होगा। हालांकि, न्यायालय के उक्त फैसले को लेकर ममता बनर्जी का यह विरोध निश्चय ही राजनीतिक कारणों से है, क्योंकि उनकी सरकार का यह निर्णय मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति का परिचायक है। यही वजह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने उन पर राजनीतिक हमला बोल दिया है। दरअसल, ममता सरकार द्वारा मुस्लिम समाज की जातियों को ओबीसी प्रमाण पत्र देने के फैसले को कलकत्ता उच्च न्यायालय ने ऐसे समय निरस्त किया है, जब राज्य में चुनाव हो रहे हैं। स्पष्ट है कि यह निर्णय ममता सरकार के लिए एक बड़ा राजनीतिक झटका है।दरअसल, ममता सरकार को इसके पहले भी उच्च न्यायालय के कई और फैसलों से झटका लग चुका है। पहले उन्हें ऐसा ही झटका कलकत्ता उच्च न्यायालय के उस फैसले से भी लगा था, जिसमें उसने 25,000 शिक्षकों एवं स्कूली कर्मचारियों की भर्तियों को निरस्त कर दिया था। हालांकि, बाद में सुप्रीम कोर्ट ने ममता सरकार को थोड़ी राहत दे दी, लेकिन उच्च न्यायालय के उस फैसले ने उनके समक्ष एक राजनीतिक संकट तो खड़ा ही कर दिया। फिर संदेशखाली में तृणमूल कांग्रेस के नेता शाहजहां शेख की ओर से जमीनों पर कब्जा और महिलाओं के प्रति अत्याचार से जुड़े मामले में भी ममता सरकार को उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय की फटकार सुननी पड़ी थी। ममता सरकार पर मुस्लिम तुष्टीकरण के आरोप तभी से लग रहे हैं, जबसे वह सत्ता में आई हैं। बंगाल की राजनीति में मुस्लिम तुष्टीकरण एक प्रमुख मुद्दा रहा है। भाजपा इस तुष्टीकरण को ही एक मुद्दा बनाकर ममता सरकार को घेरती रही है। बंगाल में पहले मुस्लिम समुदाय का तुष्टीकरण कांग्रेस की ओर से किया जाता था, फिर वामदलों की ओर से किया जाने लगा। वामदलों को परास्त कर सत्ता में आईं ममता बनर्जी भी यही काम करने लगीं। दरअसल, 1947 में जब मजहब के आधार पर भारत का विभाजन हुआ, तब पंजाब में तो दोनों छोर की आबादी का एक-दूसरे हिस्से में पलायन हुआ, लेकिन बंगाल में पूर्वी पाकिस्तान अर्थात आज के बांग्लादेश में रहने वाले हिन्दू ही बड़ी संख्या में पलायन कर भारत आए। बंगाल में रहने वाले कुछ ही मुस्लिम बांग्लादेश में बसने गए। बंगाल की सीमा बांग्लादेश से सटी है और सीमांत इलाके ऐसे हैं कि दोनों ओर आवाजाही कहीं अधिक आसान है। यही वजह है कि बांग्लादेश से बड़ी संख्या में मुस्लिम बंगाल में आकर बसते रहे। आज पश्चिम बंगाल में बांग्लादेश से अवैध रूप से आए मुसलमानों की संख्या कितनी है, इसका अनुमान लगाना आसान नहीं। बांग्लादेश से आए मुसलमानों ने मतदाता पहचान पत्र, आधार कार्ड और राशन कार्ड आदि बनवा लिए हैं और तुष्टिकरण की राजनीति करने वाले दलों के लिए वे एक बड़ा वोट बैंक बन गए हैं। बांग्लादेश से आई मुस्लिम आबादी ने बंगाल के साथ-साथ असम और झारखंड में भी सामाजिक ताने-बाने को बदल दिया है और कई निर्वाचन क्षेत्रों में वे निर्णायक स्थिति में आ गए हैं। यही वजह है कि ऐसे लोगों की पहचान करने की मांग लगातार होती रही है। जरूरत इस बात की है कि केन्द्र सरकार संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) को पूरी सख्ती से लागू करे, ताकि तुष्टिकरण की राजनीति पर विराम लग सके।

आप अपने विचार अथवा अपनी रचनाएं हमें निम्नलिखित ई–मेल पर भेज सकते हैं–
mithilavarnan@gmail.com, Contact : 9431379234
Join us on /mithilavarnan
Visit us on : www.varnanlive.com
(किसी भी कानूनी विवाद का निबटारा केवल बोकारो कोर्ट में ही होगा।)

सवाल... भारतीय जनता पार्टी में उत्तराधिकार - विचार या परिवार?

- मोद प्रकाश -
ब्रिसबेन, ऑस्ट्रेलिया

भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) में उत्तराधिकार का सवाल अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है। ऐतिहासिक रूप से, बीजेपी ने आंतरिक संक्रमण को सुचारू रूप से प्रबंधित किया है, जो कि भारत की अन्य राजनीतिक पार्टियों में नेतृत्व के उत्तराधिकार पर अक्सर देखे जाने वाले गुटीय विभाजन के विपरीत है। भारत में राजनीतिक उत्तराधिकार अक्सर अचानक और अनियोजित होता है। उदाहरण के लिए, नेहरू की मृत्यु के बाद लाल बहादुर शास्त्री का प्रधानमंत्री पद पर आना अप्रत्याशित था, क्योंकि उनकी राजनीतिक स्थिति अपेक्षाकृत कमजोर थी। इसी प्रकार, इंदिरा गांधी की हत्या के बाद राजीव गांधी का प्रधानमंत्री बनना कांग्रेस के गुटों के बीच समझौते की आवश्यकता के कारण हुआ।

उत्तराधिकार–इतिहास

बीजेपी का नेतृत्व संक्रमण सुचारू रहा है, विशेष रूप से जब एल.के. आडवाणी ने नरेंद्र मोदी को 2014 के आम चुनावों में पार्टी का नेतृत्व करने के लिए जगह दी। कांग्रेस के विपरीत, बीजेपी ने महत्वपूर्ण गुटीय विभाजन का अनुभव नहीं किया है और उसने नियमित रूप से अपने पार्टी अध्यक्ष के लिए चुनाव कराए हैं।

मुख्य प्रभावकारी कारक

वर्तमान में 72 वर्ष के मोदी, अपने उच्च ऊर्जा वाले अभियान कार्यक्रम को बनाए रखते हुए, रिटायर होने के कोई संकेत नहीं दिखा रहे हैं। उनकी सेवानिवृत्ति तभी संभव है जब वे स्वयं पद छोड़ने का निर्णय लें या बीजेपी अपने आंतरिक नियम को लागू करे जो नेताओं को 75 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त होने की आवश्यकता होती है। हालांकि, मोदी की अत्यधिक लोकप्रियता और पार्टी की उनकी नेतृत्व पर निर्भरता सेवानिवृत्ति को असंभावित बनाती है।

संभावित उत्तराधिकारी: योगी आदित्यनाथ और अमित शाह

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और गृह मंत्री अमित शाह उत्तराधिकार के प्रमुख दावेदार हैं। दोनों के पास अपनी-अपनी ताकत और कमजोरियां हैं:

योगी आदित्यनाथ को एक मजबूत प्रशासक माना जाता है जिनकी हिंदू राष्ट्रवादियों के बीच अपार अपील है और आरएसएस के साथ गहरा संबंध है। हालांकि, उनका स्पष्ट आचरण और अपेक्षाकृत कम परिष्कार कुछ चुनौतियाँ पेश कर सकता है।

अमित शाह को उनके संगठनात्मक कौशल और चुनावी राजनीति में रणनीतिक क्षमता के लिए पहचाना जाता है। आरएसएस के साथ उनके संबंध अधिक जटिल हैं और उनके पास राज्य स्तर पर प्रशासनिक अनुभव की कमी है।

आरएसएस की भूमिका

उत्तराधिकार प्रक्रिया में आरएसएस का समर्थन महत्वपूर्ण होगा। जबकि आरएसएस हिंदुओं के बीच अपनी वैचारिक नेतृत्व को बनाए रखना चाहता है, उसने प्रभावी नेताओं का समर्थन करने में लचीलापन दिखाया है, चाहे उनकी सख्त वैचारिक सरेखण हो या न हो। संगठन के रणनीतिक हित इसे योगी जैसे नेता की ओर झुका सकते हैं, जो शाह की तुलना में हिंदू राष्ट्रवादी भावनाओं को अधिक स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं।

भविष्य के लिए निहितार्थ

संक्रमण संभवतः पार्टी के भीतर बिना सार्वजनिक संघर्ष के प्रबंधित किया जाएगा। बीजेपी का अनुशासित कैडर और संरचित निर्णय लेने की प्रक्रियाएं अन्य पार्टियों में देखी जाने वाली खुले गुटीयता के खिलाफ एक बफर प्रदान करती हैं। योगी और शाह के बीच का चुनाव बीजेपी के भविष्य की दिशा को काफी प्रभावित करेगा, विशेष रूप से हिंदू राष्ट्रवादी नीतियों और व्यापक शासन मुद्दों के संतुलन में।

संक्षेप में कहें तो, नरेंद्र मोदी की सेवानिवृत्ति अनिश्चित रहते हुए, बीजेपी का उत्तराधिकार एक सावधानीपूर्वक प्रबंधित प्रक्रिया होगी जिसमें योगी आदित्यनाथ और अमित शाह जैसे प्रमुख व्यक्ति शामिल होंगे, और आरएसएस परिणाम को आकार देने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

(लेखक वरिष्ठ समीक्षक हैं और ये इनके निजी विचार हैं।)

हमर सम्बल

मैथिली कविता

- शम्भुनाथ मिश्र -

हम छी प्रचण्ड मार्तण्ड प्रखर,
अछि बाहुदण्ड मे शक्ति प्रबल।
हम सिंहक शावक भीरु नहि छी
हद शान्ति शील रखने सम्बल।।

हम हिम सन दृढ अपना पथ मे
हम शान्त धीर छी सागर सन।
बनि चन्द्र सकल दी सुधादान
हद क्षमा धर्म अछि वसुधा सन।।

ई पाठ पढल अछि पूर्वज सँ
करी क्षमा शत्रुक शत दोष ।
यदि कुक्कुर नाङरि तदपि रहय
करू खण्ड चक्र सँ भ सरोष।।

यदि वक्र दृष्टि फेरल कनिञो
साधि तीर हम फोड़ि सकी ।
यदि वक्ष तानि के ठाढ़ भेल
हम तनल वक्ष केँ तोड़ि सकी।।

यदि आबि गेल शरणागत भ'
जकरा मन कुत्सित सोच न हो।
रक्षा हित अच्युत चक्र हाथ
भिड़ि जाय काल सँ रोच न हो।।

केहर क' रहलै अछि कौतुक
बलहीन बूझि जुनि तोड़ नीन।
तू चेत! विवश जुनि कर हमरा
फुटल भाग्य होयतौ अदीन ।।

हार्दिक ने बढ़ाया झारखंड का गौरव, राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान में देशभर में पाया पहला स्थान

हार्दिक इच्छा पूरी... पिछले साल थी 48वीं रैंक, दोगुनी मेहनत की और इस बार बन गया कंट्री टॉपर

संवाददाता

बोकारो : किसी ने सच ही कहा है, अगर मन में प्रबल इच्छाशक्ति हो, कुछ पाने का जुनून हो और लक्ष्य पाने के लिए अगर कड़ी मेहनत की जाय, तो कुछ भी असंभव नहीं। डीपीएस बोकारो से विगत वर्ष के पास-आउट छात्र हार्दिक श्री ने इस कथन को पूरी तरह चरितार्थ कर दिखाया है। हार्दिक को विगत वर्ष मनचाहे कॉलेज में दाखिला नहीं मिला तो उसने चौगुनी रफ्तार से मेहनत की और नतीजा यह हुआ कि वह देशभर में अव्वल आ गया। लकीरें खींचकर उसे डिजाइन का स्वरूप देने की प्रतिभा एक बार फिर हार्दिक के लिए काम आई। 19 वर्षीय हार्दिक ने देश के सबसे बड़े डिजाइनिंग संस्थान राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (एनआईडी) की परीक्षा में देशभर में पहला स्थान प्राप्त किया है। बी. डिजाइन में दाखिले के लिए आयोजित परीक्षा में उसे ओपन और ओबीसी एनसीएल, दोनों ही कैटेगरी में आल इंडिया रैंक 1 मिली। खास बात यह है कि पिछले साल भी उसने एनआईडी में सफलता पाई थी, लेकिन रैंक 48 थी। इस बार उसने दोगुनी मेहनत की और पूरे भारत में पहला स्थान पाकर न केवल अपने विद्यालय, अपने शहर, बल्कि झारखंड प्रदेश का मान राष्ट्रीय फलक पर रोशन किया है। उसका मानना है कि नाकामी की बजाय उससे सबक लेकर और मेहनत करनी चाहिए। पढ़ाई-लिखाई या करियर संबंधी कोई परीक्षा जीवन की आखिरी परीक्षा नहीं होती। फेल होने पर हताश होने की बजाय अपनी रुचि को देखते हुए खुद को एक्सप्लोर करें, अपनी प्रतिभा को विस्तार दें, अवसर और सुखद परिणाम जरूर मिलेंगे। यही सिद्धांत उसके लिए काम आया और जिस परीक्षा में उसने पिछले साल 48वां स्थान पाया था, उसमें आज पहला स्थान पा सका है।

एक खास बातचीत में हार्दिक ने बताया कि उसकी दिली ख्वाहिश एनआईडी अहमदाबाद से डिजाइनिंग में चार-वर्षीय स्नातक करनी थी, जो विगत वर्ष पूरी नहीं हो पाई थी। इसलिए, उसने इस बार जी-तोड़ मेहनत की। आगामी एक जुलाई से वहां उसका सत्र शुरू हो रहा है। उसकी इस कामयाबी पर विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है। प्राचार्य डॉ. ए एस गंगवार ने उसे बधाई देते हुए इसे विद्यालय सहित पूरे राज्य के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि बताई है। उन्होंने कहा कि डीपीएस बोकारो अपने विद्यार्थियों को हर वह अवसर प्रदान करता है, जिससे कि वे विभिन्न क्षेत्रों में अपना भविष्य संवार सकें। हार्दिक ने पिछले ही साल डीपीएस बोकारो से 90 प्रतिशत अंकों के साथ 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण की थी। इसके पूर्व 10वीं में 95 प्रतिशत अंक प्राप्त किया था।

कठिन परीक्षा के बाद मिली सफलता

हार्दिक ने एक खास बातचीत में बताया कि जिस प्रकार मेडिकल-इंजीनियरिंग में हजारों सीट है, डिजाइनिंग के क्षेत्र में वैसी स्थिति नहीं है। देशभर से मात्र लगभग 400 परीक्षार्थी ही अंतिम रूप से एनआईडी में चयनित हो पाते हैं। एनआईडी मेन में उसे आइडिएशन, क्रिएटिविटी, साइकोलॉजी और ऑब्जर्वेशन सहित विभिन्न चरणों से संबंधित परीक्षा देनी पड़ी और सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के आधार पर रैंक -1 मिली। इस बार उसने चंडीगढ़ में एक सेंटर से प्रीलिम्स दिया और एनआईडी अहमदाबाद में ही मेन परीक्षा दी। एक सवाल के जवाब में उसने बताया कि टॉपर्स सेशन के माध्यम से डिजाइन के विद्यार्थियों की क्लास लेना, दो-तीन तरीके से एक ही चीज को अलग-अलग आब्जर्वेशन के आधार पर प्रस्तुत करने का अभ्यास वगैरह उसकी सफलता में सहायक रहे।

लकीर ने ऐसे बदल दी तकदीर

एक कहावत है- लकीर का फकीर होना। यानी जो जैसा चलता रहा है, उसी तरह पुरानी परिपाटी का अनुसरण कर उसी रास्ते पर चलते रहना। लेकिन, हार्दिक ने खुद के लिए लकीर के मायने ही बदल दिए हैं। उसकी खिंची लकीर उसका तकदीर बनेगी और उन्हीं लकीरों से तैयार उसके डिजाइन देश के नामी-गिरामी कंपनियों के उत्पादों में नयापन लाएंगे। हार्दिक ने विगत वर्ष भी डिजाइनिंग की तीन-तीन राष्ट्रस्तरीय परीक्षाओं में कामयाबी पाई थी। एनआईडी के प्रीलिम्स (प्रारंभिक परीक्षा) में ऑल इंडिया रैंक 6 और मेन (मुख्य परीक्षा) में एआईआर 48 मिली थी। इसके अलावा, उसे नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (एनआईएफटी) में रैंक 13 और आईआईटी के तहत संचालित अंडर ग्रेजुएट कॉमन एंट्रेंस एग्जामिनेशन इन डिजाइन (यूसीईईडी) में रैंक 89 भी मिली थी। उसने नर्सरी से 12वीं तक की पढ़ाई डीपीएस बोकारो से ही पूरी की है।

एआईआर- 1 मिलने पर डीपीएस बोकारो परिवार में हर्ष, प्राचार्य डॉ. गंगवार ने दी बधाई

मां का संघर्ष जीवन की प्रेरणा

हार्दिक की सफलता के पीछे उसकी मां बबीता सिंह ने केंद्रीय भूमिका निभाई है। पारिवारिक परेशानियों के बीच बबीता ने हार्दिक को मां के साथ-साथ पिता का भी प्यार दिया। कठिन चुनौतियों के बीच उन्होंने हिम्मत न हारी और अपने हौसलों और अपनी ताकत के बूते अपने बेटे को इस लायक बनाया कि आज वह न सिर्फ डिजाइनिंग, बल्कि पढ़ाई-लिखाई, खेलकूद और संगीत की विधाओं में ही पारंगत हो चुका है। हार्दिक की रुचि के अनुसार उसके करियर को संवारा और आज उसकी तकदीर एक नए उज्जवल मुहाने पर है। एक सवाल के जवाब में हार्दिक ने कहा कि उसकी मां ही उसके लिए जीवन की सबसे बड़ी प्रेरणा है, जिनका संघर्ष उसके लिए अनुकरणीय है।

संगीत में भी हुनरमंद : हार्दिक श्री को संगीत में भी महारथ हासिल है। संगीत की राष्ट्रस्तरीय प्रतियोगिता में अपने विद्यालय को प्रथम पुरस्कार दिला चुका है। गायन में इंडियन आइडल तक भी वह पहुंच चुका है। वहीं, बास्केटबॉल भी काफी अच्छी तरह उसे खेलना आता है।

इधर, अयान को यूपीएससी रक्षा सेवा परीक्षा में देश में तीसरा स्थान, बनेगा लेफ्टिनेंट

डीपीएस बोकारो के एक और होनहार प्रतिभावान छात्र ने राष्ट्रीय फलक पर अपने विद्यालय, शहर और राज्य का नाम गौरवान्वित किया है। संघ लोकसेवा आयोग (यूपीएससी) की ओर से भारत की तीनों रक्षा सेवाओं में प्रशिक्षणोपरांत अधिकारियों की बहाली के लिए आयोजित संयुक्त रक्षा सेवा (सीडीएस) - 2 की परीक्षा में इस विद्यालय का छात्र रह चुके अयान कुमार डे ने देशभर में तीसरा स्थान प्राप्त किया है। अयान ने भारतीय नौसेना अकादमी (आईएनए) में जहां आल इंडिया रैंक तीन पाई, वहीं भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए) की मेरिट लिस्ट में 17वीं रैंकिंग हासिल की है। हालांकि, उसने सैन्य अकादमी को ही चुना है और लेफ्टिनेंट के रूप में उसकी ज्वाइनिंग के लिए आगामी जुलाई महीने से देहरादून स्थित आईएमए में उसकी ट्रेनिंग शुरू होगी। 2 जुलाई, 2001 को जन्मे रामगढ़ निवासी टाटा स्टील (घाटो, वेस्ट बोकारो) के कर्मी संगम कुमार डे और गृहिणी पॉपी डे के पुत्र अयान को बचपन से ही सेना से जुड़कर देशसेवा करने की इच्छा थी। डीपीएस बोकारो में वर्ष 2018 बैच का छात्र रह चुका अयान विद्यालय में जमुना हाउस में था। उसे फुटबॉल खेलने और तबला-पखावज बजाने में भी रुचि है। वह कैप्टन कूल महेन्द्र सिंह धोनी को अपना आदर्श मानता है।

लोकसभा निर्वाचन 2024 भाजपा और कांग्रेस के प्रत्याशियों सहित सभी उम्मीदवार कर रहे जीत के दावे

चुनाव खत्म, अब अटकलबाजियां जोरों पर

संवाददाता

बोकारो : धनबाद लोकसभा क्षेत्र में छठे चरण के लोकसभा निर्वाचन के तहत चुनाव संपन्न हो गया। एक-दो छिटपुट, हंगामे को छोड़ दें तो सब कुछ शांति-शांति और स्वस्थ वातावरण में निपट गया। लेकिन, अब चुनाव खत्म होने के साथ ही अटकलबाजियों का दौर शुरू हो गया। मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस प्रत्याशियों के बीच है। लेकिन, इन दोनों के अलावा बाकी के उम्मीदवार भी अपनी-अपनी जीत के दावे कर रहे हैं। भाजपा नेताओं ने एक बार फिर केंद्र में भाजपा सरकार बनने के साथ धनबाद में प्रत्याशी ढुल्लू महतो की जीत का दावा किया तो कांग्रेस नेताओं ने इंडिया गठबंधन उम्मीदवार की जीत के साथ भाजपा के 400 पार मिशन की हवा निकल जाने का दावा करते देखे जा रहे हैं।

भगवान हमेशा सच के साथ : अनुपमा

धनबाद लोकसभा क्षेत्र की यूपीए समर्थित कांग्रेस प्रत्याशी अनुपमा सिंह ने बोकारो में विभिन्न मतदान केन्द्रों पर घूम-घूम कर मतदान कार्य का जायजा लिया। नगर के सेक्टर-4 स्थित डीपीएस बोकारो मतदान केन्द्र में पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने अपनी जीत का दावा किया। उन्होंने वोटिंग में महिलाओं की अच्छी भागीदारी पर संतोष व्यक्त किया। कहा कि महिलाओं पर उन्हें पूरा भरोसा रहा। उन्होंने पूरे धनबाद लोकसभा क्षेत्र की मतदाताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह अपनी जीत के प्रति पूरी तरह आश्वस्त हैं। क्योंकि, वह जानती हैं कि वह सही हैं और भगवान हमेशा सत्य का साथ देते हैं।

बीजेपी की ऐतिहासिक जीत तय : ढुल्लू

दूसरी तरफ, भारतीय जनता पार्टी के एनडीए समर्थित उम्मीदवार ढुल्लू महतो का कहना है कि धनबाद संसदीय क्षेत्र से वह ऐतिहासिक जीत दर्ज करने जा रहे हैं। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि उन्हें हर वर्ग के मतदाताओं का समर्थन मिला है। यह समर्थन अपने-आप में हमेशा यादगार रहेगा। इसके लिए उन्होंने यहां की जनता के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने यह भी कहा कि विरोधियों की चाल पूरी तरह से विफल हो गई। उन्होंने दावा किया कि देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार मजबूत सरकार बनने जा रही है। मिशन 400 पार का सपना निश्चय ही साकार होगा।

चौराहों व नुक्कड़ों पर जारी है लोगों की समीक्षा

मतदान खत्म होने के बाद से हरेक चौक-चौराहों और नुक्कड़ों पर अब जन-समीक्षाओं का दौर तेज हो चुका है। चाय दुकान, सैलून जैसी जगहों पर लोगों की जमघट के बीच चुनावी चर्चा ही आम हो चुकी है। सभी अपने-अपने हिसाब से वोटों का हिसाब-किताब लगाकर अटकलें लगा रहे हैं। बहरहाल, अब जनता ने किसी किस्मत में क्या लिखा, यह तो 4 जून को मतगणना के बाद ही पता चल सकेगा।

पर्यावरण-मैत्री इस्पात-उत्पादन को बीएसएल कटिबद्ध : डीआई

संवाददाता

बोकारो : बीएसएल अधिकारियों का निदेशक प्रभारी बीरेंद्र कुमार तिवारी के साथ मानव संसाधन विकास केंद्र में रुबरु नामक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में बीएसएल के लगभग चालीस अधिकारियों ने भाग लिया। संवाद कार्यक्रम के आरम्भ में निदेशक प्रभारी की अगुवाई में सभी ने सुरक्षा शपथ ली। सहायक महाप्रबंधक (पर्यावरण नियंत्रण विभाग) नितेश रंजन ने इस्पात उत्पादन में ग्रीन हाउस गैस और कार्बन फुटप्रिंट पर नियंत्रण की थीम पर एक प्रस्तुतीकरण किया। प्रस्तुतीकरण के माध्यम से बीएसएल में ग्रीन हाउस गैस के उत्सर्जन में कमी के लिए अपनाए जा रहे उपायों के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी साझा की गई। अधिकारियों को इस्पात उद्योग से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं और चुनौतियों से भी अवगत कराया गया।

निदेशक प्रभारी ने ग्रीन हाउस गैस और प्रति टन इस्पात उत्पादन पर 2 टन से कम कार्बन उत्सर्जन के लिए सेल तथा बोकारो स्टील प्लांट की कटिबद्धता के बारे बताया तथा इस बात पर जोर दिया कि हम सभी लोगों को कार्यस्थल पर अपने कार्यों में मूल्यवर्धन करना चाहिए। परिचर्चा के दौरान इस लक्ष्य को हासिल करने तथा अन्य पहलुओं पर अधिकारियों ने कई सुझाव दिए। कार्यक्रम का समन्वय प्रबंधक (एच आर - एल एंड डी) प्रीति कुमारी ने किया।

बुलेट पर भारी बैलेट

नक्सल प्रभावित ग्रामीण क्षेत्रों में 80 फीसदी पड़े वोट

संजय मिश्रा

बोकारो थर्मल : लोकसभा चुनाव के छठे चरण के तहत शनिवार को बोकारो थर्मल के सभी मतदान केंद्रों सहित नक्सल प्रभावित बेरमो प्रखंड के अरमो स्थित एक नंबर एवं दो नंबर मतदान केंद्रों पर मतदान करने को लेकर शहरी एवं ग्रामीणों वोटरों में गजब का उत्साह देखा गया। बुलेट पर बैलेट भारी रहा।

नावाडीह प्रखंड अंतर्गत उपरघाट के कंजकिरो, बुडगड्डा, गोनियाटो, परसाबेड़ा, पेंक एवं मानपुर के ग्रामीण महिला एवं पुरुष वोटरों में भी खासा उत्साह देखने को मिला। बोकारो थर्मल के मतदान केंद्रों पर सुबह साढ़े छह बजे से तो अरमो, कंजकिरो, गोनियाटो, पेंक में ग्रामीण महिला एवं पुरुष वोटर सुबह साढ़े पांच बजे से ही मतदान केंद्रों में गेट के बाहर ही लाइन लगाकर खड़े एवं बैठे दिखे। आम से लेकर खास सभी अपने- अपने बूथों पर पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग करते नजर आये। अरमो के दो नंबर,नयी बस्ती के तीन नंबर,कंजकिरो स्थित 222,223,224 गोनियाटो स्थित 214,215,216,217,पेंक स्थित 203 एवं 204 तथा बोकारो थर्मल के 24 नंबर मतदान केंद्रों पर 75-80 फीसदी वोट वोटरों ने डालकर लोकतंत्र में अपनी आस्था को मजबूत किया।

बोकारो थर्मल के कारो स्पेशल फेज दो स्थित मतदान केंद्र संख्या 7, 20 एवं 23 में 40 फीसदी वोट वोटरों ने डाले। मतदान का प्रतिशत कम होने का कारण डीवीसी कर्मियों का बोकारो थर्मल से तबादला होना तथा अवकाश प्राप्त करने के बाद आवास को छोड़कर जाना बताया गया। इसके अलावा नये वोटर भी नौकरी करने के बाद से राज्य से बाहर हैं और वे वोट करने नहीं आए। कंजकिरो के पंचायत भवन स्थित 222 नंबर मतदान केंद्र पर 80 वर्षीय सोनिया देवी एवं बसवा देवी ने वोट डालकर लोकतंत्र में अपनी आस्था को मजबूत किया।

बोकारो थर्मल के मतदान केंद्र संख्या 27 पर नये वोटर अरमान अफजल ने पहली बार वोट डालकर कहा कि वोट देना अपने आप में एक अनोखा अनुभव रहा। इसी प्रकार, पश्चिम बंगाल के डीवीसी मेजिया के डीजीएम नीरज सिन्हा अपनी पत्नी प्रियंका सिन्हा के साथ खुद कार चलाकर बोकारो थर्मल स्थित डीवीसी उच्च विद्यालय के मतदान केंद्र संख्या 20 पर मतदान करने पहुंचे थे।

कॉलोनी की सड़कें हुई जर्जर

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल स्थित आवासीय कॉलोनी के मेन रोड की सड़कों की स्थिति काफी बदहाल हो गयी है, जिसके कारण वाहनों के आवाजाही में कठिनाइयां होती हैं। कॉलोनी के मेन रोड स्थित लाल चौक के समीप से लेकर झारखंड चौक तक और झारखंड चौक से लेकर हॉस्पिटल मोड़, रेलवे गेट तक, दूसरी ओर झारखंड चौक से लेकर जुबली पार्क होते हुए रेलवे स्टेशन तक की मेन रोड की सड़क में दर्जनों स्थानों पर छोटे-बड़े गड्ढ़े बन गये हैं।

हरित मुहिम हरियाली फैलाने को डेढ़ लाख पौधे लगाएगी ईएसएल, बांटे पौधे

पर्यावरण के प्रति जागरुकता और संरक्षण समय की है मांग : रवीश

संवाददाता

बोकारो : 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस से पहले ईएसएल वेदांता की ओर से मेगा पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन बीते दिनों किया गया। इसमें 200 प्रतिभागियों में प्रेरणा ट्यूटोरियल, एक्सेल 30 सेंटर, तीरंदाजी अकादमी, वेदांता स्किल स्कूल, आस विद्यालय के छात्र, उनके अभिभावक, शिक्षक, जीविका एस एच जी की महिला उद्यमी और ई एस एल स्टील लिमिटेड के अन्य कर्मचारी शामिल रहे। मौके पर सौगत महतो, कंसल्टिंग एग्जीक्यूटिव, झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और संजय कुमार, झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड सहित ईएसएल स्टील कंपनी की ओर से रवीश शर्मा (सी ओ ओ, ई एस एल); आशीष रंजन (प्रमुख - सी एस आर, पी आर, ई आर, ई एस एल) और के. संदीप (प्रमुख झ एच एस ई एस, ई एस एल) ने भी भाग लिया। राकेश कुमार मिश्रा (उप प्रमुख, सी एस आर, ई एस एल), संजय कुमार (सीनियर ऑफिसर, पर्यावरण, ई एस एल) और सी एस आर और पर्यावरण टीम के सदस्य मौजूद रहे।

मेगा पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने ड्राइंग और मॉडल बनाने की प्रतियोगिता, छात्रों द्वारा प्रभावशाली भाषण, लघु नाटक प्रदर्शन सहित विभिन्न थीम पर आधारित कलात्मक अभिव्यक्तियों में भाग लिया। इसके बाद प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और ई एस एल स्टील लिमिटेड के अधिकारियों और छात्रों द्वारा पौधे लगाए गए। प्रतिभागियों को भूमि पुनर्स्थापन, पुनर्वनीकरण, मृदा संरक्षण, जलवायु परिवर्तन प्रभाव आदि के बारे में जानकारी दी गई। मरुस्थलीकरण स्मार्ट जल प्रबंधन, वृक्षारोपण, कटाव जांच से कैसे जुड़ा है, सूखा लचीलापन सिंचाई दक्षता, जल संचयन, सूखा प्रतिरोधी किस्म से जुड़े विषय पर भी चर्चा की गई।

इस अवसर पर ई एस एल स्टील लिमिटेड के मुख्य परिचालन अधिकारी, रवीश शर्मा ने कहा कि आज के इस आयोजन का उद्देश्य जागरूकता बढ़ाना और बेहतर भविष्य के लिए युवा क्षमता को पोषित करने के वेदांता के लक्ष्य के साथ जुड़कर युवा गण को कर्म करने के लिए प्रेरित करना है। पर्यावरण के प्रति जागरूकता और संरक्षण समय की मांग है और इसलिए 1 लाख 25 हजार पौधे लगाने का हमारा वृक्षारोपण अभियान मानव जाति और पर्यावरण के लिए एक महत्वपूर्ण योगदान साबित होगा। प्लांट परिसर में सवा लाख और सामुदायिक क्षेत्रों में 25 हजार पौधारोपण का लक्ष्य है। बाद में एकत्रित लोगों के बीच 150 से अधिक पौधे वितरित किए गए।

हफ्ते की हलचल

सेहत के प्रति जागरुकता जरूरी : पूजा बैद

बोकारो : स्वास्थ्य जांच को अभियान बनाकर लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से रोटरी क्लब चास द्वारा आठवें स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन राम मंदिर परिसर में किया गया। संस्था की अध्यक्ष पूजा बैद ने कहा कि स्वास्थ्य बेहतर नहीं है तो हम अपने कार्यों को भी बेहतर ढंग से नहीं कर पाएंगे। लोगों को चाहिए कि वे अपनी अच्छी सेहत बनाए रखें और चिकित्सकों से नियमित जांच करवा कर उचित परामर्श लेते रहें। मौके पर डॉ. सुमन ने लोगों के स्वास्थ्य की जांच करते हुए कहा कि समय रहते लोगों को बीमारी का पता चलने पर तुरंत प्रभाव से उसका उपचार संभव हो सकता है। जांचोपरांत डॉ सुमन ने लोगों को परामर्श भी दिए। शिविर में डॉ पुष्पा, सचिव डिंपल कौर, कुमार अमरदीप, नरेंद्र सिंह, विपिन अग्रवाल, संजय रस्तोगी, संजय बैद, विनोद चोपड़ा, माधुरी सिंह सहित अन्य कई लोग मौजूद रहे।

नई प्रोसेस वाटर पाइप लाइन का हुआ उद्घाटन

बोकारो : बोकारो इस्पात संयंत्र के प्लांट प्लाजा रोड में सी आर एम - का एवं 2 के इनलेट - 02 में 600 एम एम व्यास की दो नए प्रोसेस वाटर पाइप लाइन का शुभारंभ हुआ। इसका उद्घाटन पीके बैसाखिया, मुख्य महाप्रबंधक (अनुरक्षण अतिरिक्त प्रभार उपयोगिताएं) के द्वारा किया गया। इस अवसर पर जल प्रबंधन विभाग के महाप्रबंधक सह विभागाध्यक्ष यतेंद्र सिंह यादव, महाप्रबंधक अनुपम कुमार, अपूर्व विश्वास, कृष्णाशीष भट्टाचार्य, उप महाप्रबंधक संजय खेस, सहायक महा प्रबंधक गणेश कुमार अभिषेक आनंद, प्रबंधक राजेश कुमार तथा अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे। यह वाटर पाइप लाइन पंप हाउस 02 के लाइन -03 तथा 05 से अंडरग्राउंड टनल से लेकर सी आर एम - 1 एवं 2 के इनलेट तक पुराने 100 और 200 डायामीटर के वाटर पाइप लाइन के स्थान पर स्थापित किया गया है। . लगभग 250 मीटर लम्बाई के 600 एम एम डायामीटर के दो नए प्रोसेस वाटर पाइप लाइन के परिवर्तन का कार्य जल प्रबंधन विभाग के महाप्रबंधक अनुपम कुमार तथा गणेश कुमार, सहायक महाप्रबंधक की देखरेख में संपन्न किया गया।

स्वच्छता पखवाड़ा अभियान के तहत निकाली प्रभातफेरी

बोकारो थर्मल : डीवीसी बोकारो थर्मल में स्वच्छता पखवाड़ा अभियान के तहत एचओपी आनंद मोहन प्रसाद, वरीय जीएम एफजीडी एसएन प्रसाद, डीजीएम बीजी होलकर के नेतृत्व में बच्चों, डीवीसी कर्मचारियों एवं अधिकारियों के संग स्वच्छता को लेकर प्रभात फेरी एवं जागरुकता अभियान का आयोजन किया गया। प्रभात फेरी को एचओपी ने स्थानीय एडीएम बिल्डिंग के समक्ष से झंडा दिखाकर रवाना किया। इसमें स्थानीय प्रतिभा खोज युवा क्लब सहित स्कूलों के बच्चे शामिल हुए। बच्चे हाथों में तख्ती लिखे बैनर लेकर नारे लगा रहे थे। एचओपी ने कहा कि बाहर की गंदगी को दूर करने के पूर्व हमें अपने अंदर की गंदगी को दूर करने की ज्यादा जरूरत है। गंदगी नहीं फैलाने एवं वातावरण को प्रदूषण मुक्त रखने को लेकर लोगों को जागरूक होने की जरूरत है। मौके पर वरीय प्रबंधक मैकेनिकल मनीष कुमार चौधरी, प्रबंधक सुनील कुमार आदि मौजूद रहे।

डीवीसीकर्मियों ने सीटीपीएस प्लांट में की सफाई

चंद्रपुरा : दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा मनाये जा रहे स्वच्छता पखवाड़ा के तहत प्लांट क्षेत्र और प्लांट की सफाई की गई। इस अवसर पर डीवीसी के कई वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी एवं अन्य कर्मियों ने स्वच्छता कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और प्लांट के कई विभागों की सफाई की। महाप्रबंधक अविजीत घोष ने डीवीसी के कर्मियों से इसी तरह सालों भर प्लांट और कॉलोनी की सफाई पर ध्यान देने की अपील की, ताकि एक स्वच्छ समाज का निर्माण संभव हो सके।

एक और आईएएस अफसर पर कसा शिकंजा

भ्रष्टाचार... ईडी की सख्ती लगातार जारी, मनीष रंजन को समन से अधिकारी वर्ग में खलबली, हो सकते हैं चौंकाने वाले खुलासे

विशेष संवाददाता

रांची : झारखंड और भ्रष्टाचार का अब चोली-दामन सा साथ हो चला है। नेता तो नेता, अधिकारी उनसे इस मामले में कहीं ज्यादा आगे हैं। यही वजह है कि कई अधिकारी आज अपने काले कारनामों के चलते जेल की सलाखों के पीछे हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) लगातार भ्रष्टाचार के विभिन्न मामलों में सख्त है और इसी कड़ी में एक और नए आईएएस अधिकारी पर उसका शिकंजा कसता दिख रहा है।

ईडी ने टेंडर कमीशन घोटाला मामले में आईएएस मनीष रंजन को फिर से दूसरा समन भेजकर पूछताछ के लिए जोनल आफिस बुलाया। आपको बता दें कि मनीष रंजन वर्तमान में भू-राजस्व विभाग के सचिव हैं। इससे पहले वह ग्रामीण विकास विभाग के सचिव के पद पर पदस्थापित रह चुके हैं।

इससे पूर्व मनीष रंजन को ईडी ने 22 मई को समन भेजकर 24 मई को पूछताछ के लिए ईडी कार्यालय बुलाया था, लेकिन मनीष रंजन ने पत्र भेजकर समय की मांग की थी। उन पर टेंडर पास करने के एवज में अवैध तरीके से मोटी रकम वसूलने के मामले में संलिप्ता का संदेह है।

कैशकांड... कोड वर्ड में लिखे अफसरों के नाम से चला पता

ईडी को संजीव लाल और जहांगीर आलम के घर से रुपये के साथ कमीशन के पैसों के बंटवारे और उसके हिस्सेदारों का ब्यौरा मिला है। इस ब्यौरे में कमीशन की रकम में हिस्सा लेने वालों के नाम के बदले कोड वर्ड का इस्तेमाल किया गया है। हिस्सेदारों के लिए एच (ऑनरेबल मिनिस्टर), एम (मनीष), एस (संजीव लाल), टीसी (टेंडर कमेटी), सीइ जैसे कोड वर्ड का इस्तेमाल किया गया है। ईडी ने जांच में मिले इन तथ्यों से संबंधित साक्ष्य अदालत में भी पेश किया है। मालूम हो कि ईडी ने टेंडर घोटाला मामले में दो दिनों की पूछताछ के बाद 15 मई की देर शाम मंत्री आलमगीर आलम को गिरफ्तार कर लिया था। ईडी ने मंत्री को रिमांड पर लेकर उनसे लगातार टेंडर घोटाले मामले में पूछताछ कर रही है। वहीं छापेमारी में ईडी ने संजीव लाल के नौकर जहांगीर और बिल्डर मुन्ना सिंह के ठिकानों से कुल 35.23 करोड़ रुपये नकदी बरामद किये थे। इस मामले में ईडी ने पांच मई की देर रात को पीएस संजीव लाल और जहांगीर आलम को गिरफ्तार कर लिया था।

पांचवां अधिकारी ईडी के निशाने पर

उल्लेखनीय है कि मनीष रंजन राज्य के पांचवें ऐसे आईएएस अधिकारी हैं जिन्हें ईडी की तरफ से समन जारी कर पूछताछ के लिए बुलाया गया है। इनके पूर्व दो - पूजा सिंघल और छवि रंजन जेल में हैं। बाकी दो राजीव अरुण एक्का और रामनिवास यादव को पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया है। ईडी का दावा है कि यह टेंडर घोटाला 3000 करोड़ का है। अगर ईडी का दावा सच होता है तो यह घोटाला झारखंड का सबसे बड़ा घोटाला साबित होगा।

शिक्षा-दीक्षा में प्रतिभावान रहे हैं मनीष रंजन

मनीष रंजन शिक्षा-दीक्षा के मामले में काफी प्रतिभावान रहे हैं। उन्होंने स्कूलिंग नेतरहाट स्कूल से की है। अपनी उच्च शिक्षा के लिए उन्होंने पटना कॉलेज में एडमिशन लिया। बाद में वो हिंदू कॉलेज, दिल्ली से पढ़ाई की। आईआरएमए, गुजरात से मैनेजमेंट में एमबीए किया। फिर पीएचईडी भी मैनेजमेंट में ही की। बिहार-झारखंड में चुनिंदा आईएएस अधिकारी ही होंगे जिन्होंने पांच देश में रहकर अध्ययन किया हो। मनीष ने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी, इंग्लैंड, जॉन्स हापकिंस यूनिवर्सिटी, अमेरिका, फ्रैंकफर्ट स्कूल ऑफ फाइनेंस एंड मैनेजमेंट, जर्मनी, इंटरनेशनल ट्रेनिंग सेंटर, तुरीन, इटली और कोरिया डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट, दक्षिण कोरिया में अध्ययन किया है। इतनी जगहों से तालीम लेने के बाद मनीष रंजन ने यूपीएससी की परीक्षा दी और 2002 बैच के आईएएस रैंक में टॉप किया। अच्छे कार्यों के लिए उन्हें कई दफा पुरस्कार भी मिले हैं। उन्हें किताबें लिखने का भी शौक है। झारखंड के लिए यह सौभाग्य की बात थी कि कोई टॉपर इस राज्य में जनसेवक बना, लेकिन इतने प्रतिभावान अधिकारी का घोटाले में संलिप्त होना चर्चा का विषय बना है।

दिग्गजों के भाग्य ईवीएम में कैद, फैसला 4 को

विशेष संवाददाता

रांची : झारखंड में छठे चरण में चार लोकसभा क्षेत्र रांची, जमशेदपुर, धनबाद और गिरिडीह में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांतिपूर्ण मतदान समाप्त हो गया। खबर लिखे जाने तक प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस दौरान 62.74 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इसके साथ ही झारखंड के कई दिग्गज नेताओं की किस्मत ईवीएम में कैद हो गई। विभिन्न संसदीय क्षेत्रों में जिन प्रमुख उम्मीदवारों का भाग्य आज ईवीएम में बंद हुआ है उनमें गिरिडीह से आजसू के चंद्र प्रकाश चौधरी, झामुमो के मथुरा प्रसाद महतो, जयराम महतो, रांची से भाजपा के संजय सेठ, कांग्रेस की यशस्विनी सहाय, जमशेदपुर से भाजपा के विद्युत वरण महतो, झामुमो के समीर मोहंती और धनबाद से भाजपा के ढुल्लू महतो तथा कांग्रेस की अनुपमा सिंह शामिल हैं।

राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने बताया कि इन चारों क्षेत्रों में मतदान पूरी तरह शांतिपूर्ण समाप्त हो गया और इस दौरान 62.74 प्रतिशत मतदाताओं ने मतदान किया। गिरिडीह में 65.44 प्रतिशत,जमशेदपुर में 66.79 प्रतिशत, धनबाद में 58.90 प्रतिशत और रांची में 58.73 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। उन्होंने बताया कि मतदान के दौरान कहीं से किसी गड़बड़ी की सूचना नहीं है। राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री कुमार ने बताया कि इन चार संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों के सभी 8963 बूथों पर कंट्रोल रूम से वेब कास्टिंग से नजर रखी गई। हर बूथ के भीतर और बाहर 4-डी कैमरे लगे थे। इन चार सीटों पर कुल 93 उम्मीदवार मैदान में हैं जिनमें रांची से 27, धनबाद से 25, जमशेदपुर से 25 और गिरिडीह से 16 उम्मीदवार हैं। छठे चरण में सभी चरणों से अधिक 82,16,506 मतदाता थे। कुल 8963 बूथों में से 186 बूथों पर महिलाएं और 22 पर युवा व्यवस्था संभाल रहे थे। वहीं 15 यूनिक बूथ थे जिसे विशेष तरह से विकसित किया गया था।

अब तक 12846.16 लाख नकद बरामद

उन्होंने कहा कि आदर्श आचार संहिता लगने से अबतक 12846.16 लाख की नगद धनराशि एवं सामग्री जब्त की गई है। राज्य पुलिस नोडल पदाधिकारी एवी होमकर ने कहा कि चारों संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों में छठे चरण का मतदान शांतिपूर्ण संपन्न हो गया। उन्होंने कहा कि छठे चरण के चारों लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के 764 मतदान केन्द्र उन क्षेत्रों में अवस्थित थे, जहां पूर्व में नक्सली गतिविधियां रहीं थीं। इसमें गिरिडीह जिले का पीरटांड़ एवं पारसनाथ तथा बोकारो जिले के झुमरा के क्षेत्र शामिल थे। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण मतदान के लिए 49,509 जवान लगाये गये थे। उन्होंने कहा कि 38 अंतर्राज्यीय चेक पोस्ट को सील कर सुरक्षा व्यवस्था दुरूस्त किया गया था।

हर खास-ओ आम ने किया मतदान

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री कुमार ने रांची में राजकीय कृत मॉडल उच्च विद्यालय बीएमपी ग्राउंड डोरंडा के प्रधान केंद्र संख्या 372 पर मतदान किया। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने सपरिवार पहुंचकर मतदान किया। उनके साथ उनकी पत्नी एवं पुत्र मतदान करने पहुंचे थे। अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी संदीप सिंह ने नेहरू सांस्कृतिक केन्द्र, जवाहर नगर, कांके स्थित मतदान केन्द्र एवं अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी डॉ. नेहा अरोड़ा तहसील कचहरी, रातु रोड स्थित अपने मतदान केंद्र पर पहुंचकर मतदान किया। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय और कल्पना सोरेन मुर्मू ने रांची में तथा उड़ीसा के राज्यपाल रघुवर दास ने जमशेदपुर में मतदान किया।

आचार संहिता उल्लंघन के पांच मामले दर्ज : राज्य पुलिस नोडल पदाधिकारी एवी होमकर के साथ संयुक्त प्रेसवार्ता में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि मतदान के दौरान आदर्श आचार संहिता उल्लंघन के 5 मामले दर्ज किए गये हैं। रांची संसदीय क्षेत्र से एक, जमशेदपुर से 2 एवं गिरिडीह संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से दो मामले दर्ज किए गये हैं।

कुशेश्वर स्थान में अब भक्तों को जाम की समस्या से मिलेगी निजात

मिथिला डायरी

दरभंगा : देवाधिदेव महादेव के प्रति आस्था की अनुपम धरोहर कुशेश्वरस्थान आने वाले शिवभक्तों को जल्द ही जाम की समस्या से निजात मिल जाएगा। नगर पंचायत प्रशासन जून के पहले सप्ताह से कुशेश्वर स्थान बाजार में सुबह 8 से शाम 8 बजे तक बस के प्रवेश पर रोक लगाने जा रहा है। इसके अलावा सड़क के आसपास के अतिक्रमण को भी हटाया जाएगा। सड़क के दोनों ओर से साढ़े तीन फीट सड़क खाली होगी। आवश्यकता पड़ने पर बुलडोजर का भी इस्तेमाल किया जाएगा। नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी सह पूर्वी सीओ गोपाल पासवान के अनुसार, इस आदेश का सख्ती से पालन कराया जाएगा। कुशेश्वर स्थान बाजार की सड़क पर दुकान लगाने से बाजार में प्रतिदिन जाम की स्थिति बन जाती है। यदा-कदा जाम हटाने में घंटों लग जाते हैं, जिससे लोगों को खासकर कुशेश्वर महादेव को जलाभिषेक करने वाले श्रद्धालुओं को भारी परेशानी होती है।

आत्मिक सुख का अभिलाषी है मनुष्य

गुरुदेव श्री नंदकिशोर श्रीमाली

बृहदारण्यक उपनिषद का यह श्लोक बड़ा ही महत्वपूर्ण और भाव भरा और गहन अर्थ लिये हुए है-

आत्मा वा अरे द्रष्टव्यः श्रोतव्यो मन्तव्यो निदिध्यासितव्यः।
मैत्रेय्यात्मनो वा अरे दर्शनेन श्रवणेन मत्या विज्ञानेनेदं सर्वं विदितम्॥

हम जीते किस लिये हैं, आनन्द की प्राप्ति के लिए! हमारी सारी क्रियाएं किस ओर गतिशील हैं, कि हमें आनन्द की प्राप्ति हो। हमारी सारी भावनाएं, हमारी सारी कामनाएं इसलिए हैं कि हमें आनन्द की प्राप्ति हो। हमारी बुद्धि भी आनन्द की प्राप्ति के लिए ही गतिशील है।

याज्ञवल्क्य यह कहते हैं कि मनुष्य सारे सुख अपनी आत्मा के सुख के लिए करता है। उसकी आत्मा प्रसन्न हो, उसकी आत्मा तृप्त हो। मनुष्य आत्मिक सुख का अभिलाषी है, इसलिए वह अपनी घर-गृहस्थी, संसार बसाता है। इसी आत्मिक सुख हेतु योगी, यति, संन्यासी गहन वनों में तपस्या, साधना करते हैं।

यज्ञ, मंत्र-जप, साधना, सबके पीछे यही भाव है कि हमें आत्म-सुख और शान्ति प्राप्त हो। ऋषि ने तो अपनी बात पूर्ण रूप से कही, लेकिन लोगों ने उनके शब्दों का सीधा अर्थ कर दिया, भाव को ग्रहण नहीं किया। ऋषि कह रहे हैं कि आत्मा को सुख प्राप्त होना चाहिए। यह आत्मा का सुख प्राप्त कैसे होगा? इसके लिए हमारे पास माध्यम क्या है?

हमारे पास माध्यम है, शरीर और शरीर के लिए ईंधन चाहिए, भोजन चाहिए, पानी चाहिए, देख-भाल चाहिए।

शरीर का हो श्रेष्ठतम उपयोग

यह शरीर एक यंत्र है, आत्मा यंत्र नहीं है। पर इतना ध्यान रखें कि जैसे किसी यंत्र को श्रेष्ठ रूप से चलाने के लिए उसकी पूरी देखभाल करनी पड़ती है, इसी प्रकार इस शरीर रूपी यंत्र का भी पूरी तरह ध्यान रखें। लेकिन, उसके साथ यह सब भी ध्यान रखें कि यह मेरा शरीर की आवश्यकताएं हैं, क्योंकि शरीर, देह सबसे महत्वपूर्ण यंत्र है और इस यंत्र का, जब तक ईश्वर ने जीवन दिया है, इस यंत्र का उपयोग लेना है और इसका श्रेष्ठतम उपयोग आवश्यक है, अन्यथा ईश्वर के दिये हुए वरदान का क्या अर्थ रह जायेगा? हमें देह रूप में, मनुष्य रूप में वरदान मिला है और हमने देह का श्रेष्ठ ढ़ंग से उपयोग नहीं किया, ना इसे संभाला, ना इसका ध्यान रखा और धीरे-धीरे हम इसे कमजोर करते रहे। शरीर वह यंत्र है, जो दुःख की ओर ले जाने की सीढ़ी है और सुख की ओर ले जाने की सीढ़ी है। सीढ़ी अर्थात् जिसका एक छोर जमीन पर टिका है और एक छोर आसमान की ओर। अब जैसे सीढ़ी से नीचे उतर सकते हैं, वैसे ऊपर चढ़ सकते हैं। इस सीढ़ी के माध्यम से हम जीवन के उच्चतम स्तर पर पहुंच सकते हैं।

शरीर के माध्यम से मुक्ति, आनन्द, परमानन्द, ब्रह्मानन्द की स्थिति प्राप्त कर सकते हैं। तो इसे बहुत संभालकर रखना है, जरूरतें पूरी करनी हैं, इसको कभी खराब मत होने देना।

ऋषि याज्ञवल्क्य की बात को पूरी तरह समझा नहीं और यह अर्थ लगाया कि जीवन में धन, माया, मोह से अमृत्व प्राप्त नहीं हो सकता है, संन्यास से प्राप्त हो सकता है। इस जीवन-यात्रा में लोग मिलते हैं, बिछड़ते हैं, लेकिन एक बात याद रखो कि यह जीवन-यात्रा तुम कर किससे रहे हो, यह जीवन-यात्रा तुम अपने शरीर के माध्यम से कर रहे हो।

शरीर का सबसे बड़ा सहयोगी बुद्धि

शरीर का सबसे बड़ा सहयोगी कौन है? शरीर का सबसे बड़ा सहयोगी बुद्धि है।

या देवी सर्वभूतेषु बुद्धि रूपेण संस्थिता...

लेकिन, यह बुद्धि बड़ी विचित्र है। आज विचार करना है कि 'तुम बुद्धि के वश में हो या बुद्धि तुम्हारे वश में', बात बहुत गहरी है। यदि तुम बुद्धि के अनुसार चलते रहे तो बुद्धि के गुलाम हो जाओगे, फिर तुम्हारी बुद्धि तुम्हें निरन्तर और निरन्तर दौड़ाती रहेगी, भरमाती रहेगी, कामनाओं के गहरे सागर में ले जायेगी। अभी तो मुझे और मोती चुनने हैं, अभी तो मुझे और प्राप्त करना है।

अरे भाई! आनन्द तो साथ-साथ चलने वाली सह-यात्री है। आत्मा के रूप में तुम्हारे साथ हर समय है। यही बात ऋषि मूल रूप से समझा रहे हैं।

तो इसके लिए क्या आवश्यक है?

बुद्धि उपयोगी है, लेकिन बुद्धि को भी वश में करना पड़ता है। जैसे ही बुद्धि वश में होती है, हम साक्षी हो जाते हैं, स्थितप्रज्ञ हो जाते हैं और जो भीतर का सत्व है, हमारी आत्मा है, जो हमारा वास्तविक अस्तित्व है, वह सिद्ध होने लगता है।

फिर यह बुद्धि ऊपर भी ले जा सकती है, नीचे भी ला सकती है। यह शक्ति बुद्धि ही है, तो इस शक्ति को तुम्हें अपने वश में करना है या इस शक्ति के वश में हो जाना है?

विचार एक होना चाहिए, एक विचार होगा और बुद्धि उस विचार के अनुसार चलेगी तो जीवन में शान्ति आ जायेगी। हजार तरह के विचार हैं तो उपद्रव हो जायेगा जीवन में।

बुद्धि को वश में रखना है, शरीर का ध्यान रखना है, देखभाल रखनी है, तभी जीवन में सहज, स्वतंत्रता प्राप्त होगी। स्वतंत्रता ना ओढ़ी हुई हो, न किसी की दी हुई हो। सहज भाव हो। सहज स्वतंत्रता, जहां हम स्थितप्रज्ञ होकर अपने जीवन के पृष्ठों को पलटते हैं तो हर पृष्ठ में आनन्द की अनुभूति होती है और कुछ नया लिखना चाहें तो लिख भी सकते हैं, क्योंकि शरीर स्वस्थ रूप से हमारे साथ है और बुद्धि हमारी आत्मा के वश में है।

बस ध्यान रखो, अपने शरीर का। बस ध्यान रखो अपनी बुद्धि का। अवलोकन करते रहो, निरीक्षण करते रहो, न शरीर को भटकने दो और न ही बुद्धि को।

अपनी मालकियत, आत्मा की मालकियत कायम रखनी है और सहज भाव से रखनी है, बिना किसी जोर-जबरदस्ती के।

गुरु तुम्हारे साथ हैं। परमात्मा का सत्व स्वरूप यह शरीर है। बुद्धि के स्वयं मालिक हों और जीवन का आनन्द प्राप्त करें।

(साभार : निखिल मंत्र विज्ञान)

मजबूत इम्यून सिस्टम चाहते हैं, तो नींबू का सेवन है फायदेमंद

नींबू अत्यंत उपयोगी फल है जिसे उसके ताजगी भरे स्वाद और स्वास्थ्यवर्धक गुणों के लिए जाना जाता है। इसमें विटामिन सी, विटामिन बी, फास्फोरस, प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट जैसे कई महत्वपूर्ण पोषक तत्व होते हैं। इसका नियमित सेवन सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होता है, आइए जानते हैं कैसे-

इम्यून सिस्टम की मजबूती

नींबू विटामिन सी का उत्कृष्ट स्रोत है, जो इम्यून सिस्टम को मजबूती प्रदान करता है। यह शरीर को संक्रमणों से बचाने में मदद करता है और रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है।

पाचन तंत्र में सुधार

नींबू का सेवन पाचन तंत्र के लिए बहुत फायदेमंद होता है। यह पेट की सफाई करता है और पाचन शक्ति को बढ़ाता है। गर्म पानी में नींबू का रस मिलाकर पीने से कब्ज, अपच और एसिडिटी जैसी समस्याओं में राहत मिलती है।

वजन घटाने में सहायक

नींबू में मौजूद पेक्टिन फाइबर भूख को नियंत्रित करने में मदद करता है, जिससे वजन घटाने में सहायता मिलती है। नियमित रूप से गर्म पानी में नींबू का रस मिलाकर पीने से मेटाबॉलिज्म बढ़ता है और वजन कम करने में सहायता मिलती है।

त्वचा की देखभाल

नींबू में विटामिन सी और एंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं, जो त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। यह त्वचा को साफ, चमकदार और स्वस्थ बनाता है। नींबू का रस चेहरे पर लगाने से मुंहासे, काले धब्बे और झुर्रियों से राहत मिलती है।

डिटॉक्सिफिकेशन

नींबू का रस शरीर को डिटॉक्सीफाई करता है। यह शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है और लिवर को स्वस्थ रखता है। रोजाना नींबू पानी पीने से शरीर की सफाई होती है और ताजगी महसूस होती है।

हृदय स्वास्थ्य में सुधार

नींबू में पोटेशियम की अच्छी मात्रा होती है, जो हृदय स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होती है। यह रक्तचाप को नियंत्रित करता है और हृदयघात तथा स्ट्रोक के खतरे को कम करता है। नियमित रूप से नींबू पानी पीने से हृदय स्वस्थ रहता है।

श्वसन संबंधी समस्याओं में राहत

नींबू में एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं, जो श्वसन तंत्र को संक्रमण से बचाते हैं। यह अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और अन्य श्वसन संबंधी समस्याओं में राहत दिलाने में मदद करता है। - एनीमिया से बचाव : नींबू का सेवन शरीर में आयरन के अवशोषण को बढ़ाता है, जिससे एनीमिया की समस्या से बचाव होता है। यह रक्त में हीमोग्लोबिन की मात्रा को बढ़ाता है और थकान तथा कमजोरी से राहत दिलाता है।

- प्रस्तुति : विकास

अब नहीं मिलेगी तारीख पर तारीख, एक जुलाई से बदल जाएगा भारत का कानून

रणजीत गिरि
अधिवक्ता, झारखंड हाईकोर्ट

अब एक जुलाई 2024 से बदल जाएगा भारत का कानून, राजद्रोह खत्म और नहीं मिलेगी तारीख पर तारीख। आई पी सी में हत्या मतलब धारा 302 और धोखाधड़ी मतलब धारा 420 लगभग सभी जानते हैं, लेकिन अब एक जुलाई से हत्या का मतलब धारा 302 नहीं बल्कि धारा 103 और धोखाधड़ी का मतलब धारा 420 नहीं, बल्कि धारा 316 होगा। दरअसल अपराध और न्याय प्रणाली से जुड़े भारत के 3 कानूनों में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। इस बदलाव के बाद अपराध से संबंधित धाराओं,उनकी विवेचना और न्यायिक प्रक्रिया में बड़ा बदलाव देखने मिलेगा ब्रिटिशकाल से चले आ रहे भारतीय दंड संहित भारतीय साक्ष्य अधिनियम और भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता में बड़े पैमाने पर बदलाव किए गए हैं। अब इन कानूनों के नए नाम भी होंगे, जिनमें भारतीय कानून संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता नए नाम हो जाएंगे इन कानूनों के लागू होने के पहले मध्यप्रदेश में पुलिस को प्रशिक्षित किया जा रहा है, ताकि आपराधिक विवेचना में कोई गलती ना हो सागर स्थित जवाहरलाल नेहरू पुलिस अकादमी और पुलिस ट्रेनिंग स्कूल में इन दिनों प्रशिक्षण चल रहा है।

जानिए, कैसा होगा बदलाव

ये तीन कानून भारत की पुलिस और न्याय व्यवस्था की धुरी है। अपराध संबंधी विवेचना से लेकर कानूनी प्रक्रिया तक इनका उपयोग होता है। सामान्य नागरिक भी इन कानूनों की धाराओं से परिचित है और प्रमुख अपराधों से संबंधित धाराओं के बारे में जागरूक है, लेकिन इस बड़े बदलाव के बाद पूरी न्यायिक प्रक्रिया में बड़ा बदलाव देखने मिलेगा इन तीन प्रमुख कानूनों में बदलाव कुछ इस तरह होगा।

1- भारतीय न्याय संहिता 2023 - नाबालिग से दुष्कर्म पर अब मौत तक की सजा होगी। भारतीय न्याय संहिता 2023 जो नया कानून है, ये भारतीय दंड संहिता 1860 की जगह लेगा खास बात ये है कि भारतीय दंड संहिता -1860 में 511 धाराएं थी, लेकिन नए कानून भारतीय न्याय संहिता में सिर्फ 358 धाराएं हैं। भारतीय न्याय संहिता में राजद्रोह की धारा हटा दी गयी है, लेकिन भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता के खिलाफ अलगाववाद या विद्रोह फैलाने की कोशिश के लिए राष्ट्रद्रोह के अंतर्गत परिभाषित किया गया है। नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म और मॉब लिंचिंग जैसे अपराध में मौत की सजा का प्रावधान है।

2- भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023
भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता- 1973 की जगह भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता- 2023 ले लेगी भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में क्रिमिनल की 484 धाराओं के मुकाबले 531 धाराएं हैं। कानून में किए गए बदलाव अपराध की विवेचना से लेकर न्यायिक प्रक्रिया में तेजी लाएंगे इसमें मामलों की तय समय में जांच और सुनवाई का प्रावधान किया गया है। खास बात ये है कि जांच और सुनवाई पूरी होने के बाद 30 दिन के भीतर फैसला देने का प्रावधान भी है। यौन अपराध से जुड़े मामलों में पीड़ितों के बयान की वीडियोग्राफी अनिवार्य कर दी गयी है अपराध में संलिप्तता पाए जाने पर संपत्ति कुर्क करने के लिए इस कानून में नया प्रावधान किया गया है।

3 - भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023- अब डिजिटल साक्ष्य होंगे स्वीकृत : ये नया कानून भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 की जगह पर लागू होगा. नए कानून में 170 धाराएं हैं, जबकि में 167 धाराएं थीं। अब अदालत में इलेक्ट्रानिक और डिजिटल साक्ष्य पेश किए जा सकेंगे जिनमें स्मार्टफोन, लैपटॉप, एसएमएस, वेबसाइट, मेल, इलेक्ट्रानिक उपकरण, कंप्यूटर, डिजिटल रिकॉर्ड, ईमेल और सर्वर लॉग को पेश और स्वीकृत किया जा सकेगा इनकी मान्यता कागज में रखे जाने वाले रिकार्ड के समकक्ष होगी नए कानून के तहत केस डायरी, एफआईआर, आरोप पत्र और प्रकरण से संबंधित सभी जानकारी का डिजिटिलाइजेशन किया जाएगा।

राजद्रोह की धारा हटी, लेकिन आतंकी गतिविधियों पर सख्त कानून : भारतीय दंड संहिता 1860 का स्थान लेने जा रही भारतीय न्याय संहिता में राजद्रोह की धारा को खत्म किया गया है, लेकिन देश की एकता अखंडता और संप्रभुता को खतरा पहुंचाने,अलगाववाद और विद्रोह की कोशिश को राष्ट्रद्रोह के अंतर्गत परिभाषित किया गया है। देश को नुकसान पहुंचाने के लिए विस्फोटक पदार्थ और जहरीली वस्तुओं का उपयोग करने पर आतंकवाद की धाराओं में मुकदमा चलेगा। सजा और कानूनी प्रक्रिया से बचने के लिए विदेश भागने वालों पर मुकदमा चल सकेगा। अगर पुलिस विदेश में बैठे अपराधी को तय समय में नहीं पकड पाएगी, तो भी कोर्ट में प्रकरण पेश किया जा सकेगा राजद्रोह के मामले में आईपीसी की धारा 124 -ए नए कानून के तहत धारा 150 के रूप में पहचानी जाएगी। भारत सरकार के खिलाफ उकसाने और युद्ध छेड़ने जैसे प्रयास पर आईपीसी की धारा 121 के तहत प्रावधान था लेकिन अब ये धारा 146 कहलाएगी।

महिला अपराध में देश भर में कहीं भी होगी एफआईआर : अब महिलाओं के साथ होने वाले अपराध के मामलों में कानून को सख्त और महिला वर्ग को ध्यान में रखकर प्रावधान किए गए हैं। नए प्रावधान के तहत किसी महिला के साथ हुए दुष्कर्म की घटना में पीड़िता देश के किसी भी राज्य में कहीं भी जीरो पर केस दर्ज करा सकेगी। अब तक यह व्यवस्था राज्य स्तर पर लागू थी, लेकिन अब ये राष्ट्रीय स्तर पर लागू होगी। वहीं, यौन अपराध से जुड़े मामले में प्रावधान किया गया है कि यौन संबंधों के लिए पहचान छिपाना और झूठे वादे अपराध की श्रेणी में माने जाएंगे नाबालिग बच्चियों से दुष्कर्म को पॉक्सो एक्ट के साथ जोड़ दिया गया है, जिसमें आजीवन कारावास या मौत की सजा का प्रावधान किया गया है। सामूहिक दुष्कर्म के मामलों में 20 साल की कैद और आजीवन कारावास की सजा का प्रावधान है। आईपीसी में बलात्कार का मामला धारा 376 के अंतर्गत आता था अब ये धारा 63 के अंतर्गत जाना जाएगा और धारा 64 में सजा के प्रावधान हैं। सामूहिक दुष्कर्म के मामले धारा 70 के अंतर्गत आएंगे।

गंभीर अपराध में 3 साल के भीतर न्याय

नए कानून के तहत गंभीर अपराध के मामले में विवेचना और न्यायिक प्रक्रिया को लंबा नहीं खींचा जा सकेगा। कानून में बदलाव के कारण अब गंभीर अपराधों में 3 साल के भीतर न्याय प्रदान करना होगा। पुलिस की विवेचना में देरी और मनमर्जी पर अंकुश लगाने के लिए नयी धाराएं बनाकर प्रावधान किया गया है इसके तहत तय समय सीमा में विवेचना, तलाशी और जब्ती की वीडियोग्राफी, गिरफ्तार व्यक्तियों के बारे में परिजनों को जानकारी देना अनिवार्य किया गया है।

पीड़ितों और गवाहों को मिलेगी राहत

नए कानूनों के तहत पीड़ितों और गवाहों की समस्याओं को ध्यान में रखकर कई प्रावधान किए गए हैं। अब किसी मामले में कोई गवाह घर बैठकर वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से बयान दर्ज करा सकेगा कोर्ट जाने की जरूरत नहीं होगी 3 साल से कम सजा वाले केस और 60 से ज्यादा उम्र वालों से पूछताछ के लिए मजिस्ट्रेट की अनुमति अनिवार्य होगी 7 साल से ज्यादा सजा के मामलों में फोरेसिंक रिपोर्ट अनिवार्य होगी 7 साल से ज्यादा सजा के मामले में पुलिस हथकड़ी लगाने के लिए स्वतंत्र रहेगी।

'हिट एंड रन' में सजा की अवधि बढ़ी

सड़क दुर्घटना से संबंधित हिट एंड रन मामले में अब दोषी को 10 साल तक की सजा भुगतनी होगी पहले सिर्फ दो साल की सजा होती थी, जिसे बढ़ाकर 10 साल कर दिया है। दरअसल हत्या जैसे अपराध से बचने के लिए हिट एंड रन जैसे मामले तेजी से बढ़ रहे हैं।

सजा में समाजसेवा जैसे प्रावधान

विदेशों की तर्ज पर कोर्ट अब अपराधी को समाजसेवा से जुड़ी सजा सुना सकता है। साफ सफाई, वृद्धाश्रम और अस्पताल में सेवा कार्य और पौध रोपण जैसे काम सजा के तौर पर सुनाने का प्रावधान किया गया है।

भूल जाएं पुरानी धाराएं, नहीं तो हो जाएगी गफलत

दरअसल, लंबे समय से चले आ रहे इन प्रावधानों के कारण आम आदमी भी ज्यादातर अपराध को धारा से संबोधित करते हैं। जैसे हत्या के लिए धारा 302 लेकिन अब ये धारा 103 के तहत आएगी खास बात ये है कि धारा 302 को अब चैन स्नेचिंग की धारा माना गया है। छेड़छाड़ की धारा 354 की पहचान अब मानहानि की धारा के तौर पर होगी पहले मानहानि की धारा को 499 के तौर पर जाना जाता था धोखाधड़ी से मामले में धारा 420 का प्रयोग अब नहीं किया जा सकेगा धोखाधडी अब धारा 316 के तहत आएगी।

जो पक्षकार, वो नहीं हो सकते पत्रकार : शाहनवाज

विशेष संवाददाता

मधुपुर : अंतर्राष्ट्रीय प्रेस दिवस पखवाड़ा के अवसर पर मधुपुर प्रेस क्लब के तत्वावधान में एक भव्य कवि सम्मेलन व मुशायरा का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के तौर पर झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन (जेजेए) के संस्थापक सह भारती श्रमजीवी पत्रकार संघ (बीएसपीएस) के महासचिव शाहनवाज हसन उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलित कर की गई। उसके उपरांत प्रेस क्लब के द्वारा प्रकाशित पुस्तक "कलम" का विमोचन मुख्य अतिथि के हाथों किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि बीएसपीएस के महासचिव शाहनवाज हसन ने अपने संबोधन में कहा कि अंतर्राष्ट्रीय पत्रकारिता स्वतंत्रता

दिवस प्रत्येक वर्ष 3 मई को मनाया जाता है। वर्ष 1991 में यूनेस्को और संयुक्त राष्ट्र के 'जन सूचना विभाग' ने मिलकर इसे मनाने का निर्णय किया था। 'संयुक्त राष्ट्र महासभा' ने भी '3 मई' को 'अंतर्राष्ट्रीय पत्रकारिता स्वतंत्रता दिवस' की घोषणा की थी। विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस को लेकर का थीम यानी विषय निर्धारित किया जाता है। जैसे इस वर्ष के लिए थीम है- 'गृहों के लिए एक प्रेस, पर्यावरण संकट के सामने पत्रकारिता'। प्रेस की स्वतंत्रता के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने और सरकारों को अधिकार का सम्मान करने और बनाए रखने के उनके कर्तव्य की याद दिलाने के लिए मनाया जाता है ।

श्री हसन ने बदलते दौर में पत्रकारिता की गरिमा बनाए रखने पर बल देते हुए कहा कि पत्रकार कभी भी पक्षकार नहीं हो सकते और जो पक्षकार हैं उन्हें पत्रकार समझने की भूल नहीं करें। पत्रकारों की निष्पक्षता पर प्रश्न चिह्न लगाने वालों को पहले इस बात को समझना चाहिए कि पत्रकार और पक्षकार के बीच का अंतर किया है। उन्होंने डिजिटल मीडिया के साथियों से कहा कि पत्रकारिता के कोड ऑफ कंडक्ट के विरूद्ध जाकर अति उत्साह में कार्य नहीं करें। आयोजन की सफलता में मधुपुर प्रेस क्लब के सदस्य पत्रकार प्रिंस समद, एजाज अहमद, अरशद मधुपुरी, मोहम्मद इम्तियाज, मोहम्मद असलम, गुफरान जाफरी, मिनहाज रागी, अरुप गांगुली आदि ने अहम भूमिका निभाई।

पेज- 1 का शेष

पड़ गई सशक्त...

सुरक्षा चाक-चौबंद, कंट्रोल रूम से दिनभर मॉनिटरिंग : उपायुक्त सह जिला निवार्ची पदाधिकारी विजया जाधव के अनुसार, जिले के चारों विधानसभा क्षेत्रों में कंट्रोल रूम लगातार कार्यरत थे। वेबकास्टिंग के जरिए लगातार सभी मतदान केन्द्रों की गह न मॉनिटरिंग की जा रही थी। उन्होंने कहा कि जहां-जहां मतदान की रफ्तार कम दिखी, वहां अतिरिक्त मैन पावर लगाया गया। यह सुनिश्चित किया गया कि कोई मतदाता वापस न लौटे। जिले के सभी मतदान केन्द्रों पर प्रत्येक बूथ कक्ष के बाहर कैमरे लगे थे, जिनसे वेबकास्टिंग की जा रही थी। कंट्रोल रूम में डीसी श्रीमती जाधव, एसपी पूज्य प्रकाश सहित सभी संबंधित अधिकारी दिनभर जायजा लेते रहे। डीसी-एसपी, डीडीसी ने घूम-घूमकर मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया। इधर, प्रत्येक मतदान केन्द्र पर पर्याप्त संख्या में सुरक्षाबल के जवान तैनात रहे।

आकर्षक बना रहा डीपीएस बोकारो मतदान केंद्र : सेक्टर चार स्थित डीपीएस बोकारो मतदान केंद्र में प्रशासन के सहयोग से विद्यालय प्रबंधन द्वारा यहां जिस प्रकार से मतदान केंद्र को सजाया गया, वह अपने-आप में रमणीक एवं आकर्षण का केंद्र बना रहा। प्रवेश-द्वार से लेकर अंदर बूथ तक का पूरा इलाका जागरूकतापरक नारों से पटा रहा। तोरण द्वार के बाद दोनों तरफ शामियाने पर झारखंडी संस्कृति एवं यहां की धनी परंपरा व धरोहरों के चित्रों की आकर्षक प्रदर्शनी और अनूठे सेल्फी प्वाइंट्स ने लोगों को खूब लुभाया। प्राचार्य डॉ. ए एस गंगवार के निर्देशन में यहां मतदाताओं की सुविधाओं का पूरा ख्याल रखा गया। सेक्टर-5 स्थित विद्यालय की प्राइमरी इकाई में भी बूथ बनाए गए थे।

इंडी वालों की गालियों का मतलब एनडीए की सफलता : नरेन्द्र मोदी

सियासत... बिहार में चुनावी सभा के दौरान पीएम ने विपक्ष पर खूब किए हमले

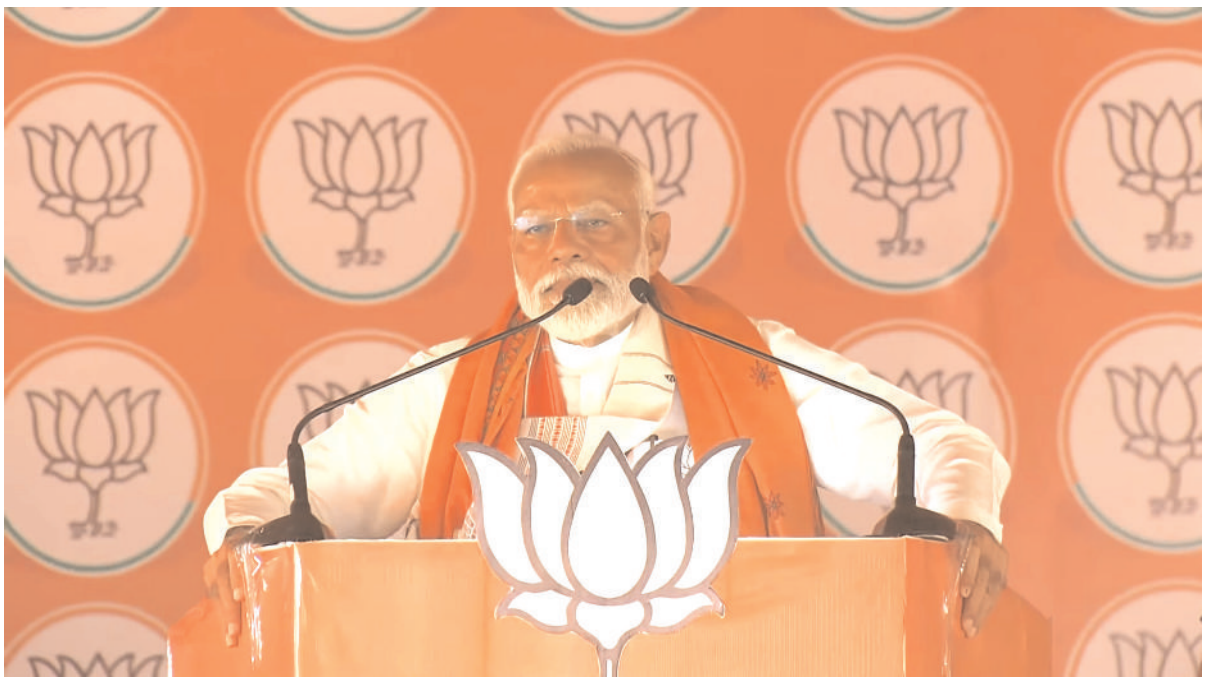

जिंदा रहने तक आरक्षण का हक न छीनने देने का दिलाया भरोसा

विशेष संवाददाता

पटना : लोकसभा निर्वाचन 2024 का अंतिम चरण एक जून को होना है। इसके पहले अब देश में सियासी वार-पलटवार का सिलसिला अपने चरम पर है। बीजेपी की ओर से कमान संभाल रहे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार विपक्ष पर निशाने साध रहे हैं। इसी कड़ी में उन्होंने शनिवार को विपक्षी गठबंधन इंडिया पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने कांग्रेस पर मुस्लिम वोट बैंक के लिए गुलामी और मुजरा करने का आरोप लगाया। बिहार के पाटलिपुत्र, काराकाट और बक्सर संसदीय क्षेत्रों में अलग-अलग चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए मोदी ने विपक्ष के दो नेताओं तेजस्वी यादव और राहुल गांधी को भी निशाना बनाया। श्री मोदी ने अल्पसंख्यक संस्थानों में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग को आरक्षण से वंचित करने के लिए राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया। कहा, बिहार वह भूमि है जिसने सामाजिक न्याय की लड़ाई को एक नई दिशा दी है। मोदी ने एक बार फिर कहा कि मैं एससी, एसटी और ओबीसी के अधिकारों को लूटने और उन्हें मुसलमानों को देने की इंडिया गठबंधन की योजनाओं को विफल कर दूंगा। वे गुलाम बने रह सकते हैं और अपने वोट बैंक को खुश करने के लिए मुजरा कर सकते हैं।

बाबा साहब भी कहते थे- धर्म-आधारित आरक्षण अनुचित

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पटना के बिक्रम में भाजपा प्रत्याशी रामकृपाल यादव के पक्ष में जनसभा को संबोधित करते हुए शनिवार को बिहार के इतिहास पर जोर दिया और कहा कि बिहार ने एससी, एसटी, ओबीसी आरक्षण के लिए लंबी लड़ाई लड़ी है। हमारा संविधान कहता है कि भारत में धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं होगा। बाबा साहेब अंबेडकर भी यही कहते थे। आईएनडीआई गठबंधन पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि आरजेडी और कांग्रेस के लोग मुसलमानों को आरक्षण देना चाहते हैं। वर्ष 2024 के चुनाव में जब मैंने इन दलों की साजिश का पदार्फाश किया तो इनकी एससी, एसटी और ओबीसी आरक्षण विरोधी करतूतें सामने आ रही हैं लेकिन मैं मोदी की गारंटी देता हूं कि अति पिछड़ा, ओबीसी, एससी और एसटी का हक उस समय तक नहीं छीनने दूंगा जब तक मैं जिंदा हूं। मोदी ने कहा कि मेरे लिए संविधान सर्वोपरि है। मैं एससीएसटी और ओबीसी आरक्षण के साथ खड़ा हूं और खड़ा रहूंगा। जब तक जान है लड़ता रहूंगा।

'लालटेन वालों ने बिहार में अंधेरा ही फैलाया'

राजद पर हमला करते हुए मोदी ने कहा कि बिहार में लालटेनिया लेकर घूम रहे हैं। लालटेनियों ने बिहार में अंधेरा ही फैलाया है। ये लालटेन सिर्फ एक ही घर में रोशनी करती है। चारों तरफ अंधेरा हो जाए तो हो जाए। 30 साल में इसने एक ही घर में रोशनी की और चारों तरफ अंधेरा किया। दूसरे के बेटे-बेटियों को पूछते तक नहीं है।

'तैयार रखें मनेर के लड्डू'

सभा में उत्साहित जनता को देखते हुए उन्होंने कहा कि चार जून के लिए मनेर के लड्डू तैयार रखिए। चुनाव के नतीजों का एग्जिट पोल चालू हो गया है। आईएनडीआई वाले गालियां दें मतलब साफ है कि एनडीए की सफलता का एग्जिट पोल आ गया है। चार जून को नया रिकॉर्ड बनेगा। यहां के लड्डू में बड़ी ताकत होती है।

'यह चुनाव देश का पीएम चुनने का है'

मोदी ने कहा कि यह चुनाव सांसद चुनने का नहीं, बल्कि देश का पीएम चुनने का इलेक्शन है। भारत को ऐसा पीएम चाहिए जो इस दमदार देश का दम दुनिया के सामने दमखम के साथ रख सके। उन्होंने लोगों से भाजपा प्रत्याशी रामकृपाल यादव के पक्ष में वोट देकर मोदी को जीत दिलाने की अपील की।

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड द्वारा सम्मानित
विश्व-प्रसिद्ध एक्यूपंक्चर स्पाइन विशेषज्ञ

Dr. Rajendra Kumar Hazra
M.D. Acupuncture, PHD Acupunchure Science
The American University USA (H.C.)
PHD Acupuncture & Spinal Diseases
M.B.I.U, Indore(H.C.)
ETP. MCA. Cama & Albess Hospital (Mumbai)
मिलने का समय : 9 AM TO 2 PM - 4 AM TO 7 PM
केवल पहले एपोईन्टमेन्ट लेने पर ही मरीज देखा जाएगा।
9771830188 / 7903113893

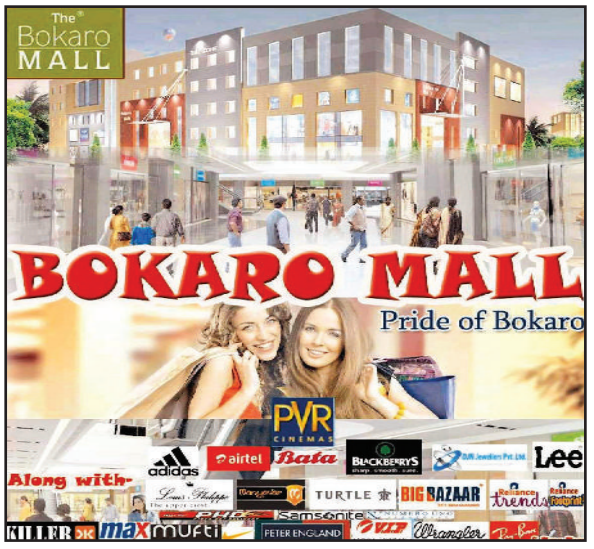

शिवम हॉस्पीटल
मेडिक्लेम कार्ड के द्वारा
मोतियाबिन्द का ऑपरेशन
एवं लेंस लगाया जाता है

E-2, Laxmi Market, Sector-4, B.S. City-827004
Ph No. : 06542-232623, 7488090631

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी विजय कुमार झा द्वारा डीबी कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविन्दपुर रोड, जीके आश्रम, धनबाद से मुद्रित एवं सेक्टर-3बी/94, बोकारो स्टील सिटी (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक : विजय कुमार झा***
प्रबंध संपादक : **कंचन झा**, दिल्ली ब्यूरो : **कैप्टन संजय,** फोन/फैक्स : (06542) 246899, E-mail : mithilavarnan@gmail.com, आरएनआई. पंजीयन संख्या : 48973/89 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिये जिम्मेवार)